A REPORT ON SWACHHTA PAKHWADA IN NIT RAIPUR

15 DAYS SWACCHTA PAKHWADA WITNESSED A GOOD RESPONSE

Cleanliness is a stepping stone to success, and *Safayi apanye bimari hatay* these were the thoughts of students of **National Institute of Technology, Raipur**, as they strived to make a difference for society. The Cleanliness Fortnightwas launched as a part of a cleanliness drive by **Sanskriti, the Cultural committee** of the Institute.The launch of this initiative on **1st Sep. 2016**, aimed to promote **Swachh Bharat Abhiyan** by our honourable Prime Minister **ShriNarendraModi**. The event was inaugurated by **Prof. S. Tiwari**, Director of the Institute.The **Swachhta Pledge** was taken by **Prof. A.P.Rajimwale,** Dean(Students' Welfare). Later elocution competition was organized which attracted a lot of participants who showed their eagerness in maintaining a clean and green India.

On the second day of **Swachhta Pakhwada**, Team **We Care-The Green Movement NITRR**organised an event **Green Ganesha** at the Central Garden, NIT Raipur.

For this, participants made Ganesha idol using clay and natural colours instead of POP (Plaster of Paris) and other chemicals.The event witnessed the active participation of the

students from AIIMS, Sanskrit College, Pt. Ravi Shankar Shukla University and Science and Arts College, Raipur; school children from SSM, The Radiant Way, Kendriya Vidyalay II, Shishu Mandir and Bharat Mata School were also welcomed.On third and fourth days,cleanliness drive was organized in all boys and girls hostels of NIT Raipur respectively.

On the fifth day,NCC cadets took part in swacchta pakhwada.Apart from this cleanliness drive, to honour and show respect to teachers on the occasion of the**Teachers' Day**5th Sep. 2016, the Department of Applied Geology, National institute of Technology Raipur organized an event. In this event, the students were highly influenced by speech of the invited guests and the faculty memnbers on the importance of cleanliness. The students also took oath to clean their surroundings.

A cleanliness drive was organized in the entire Institute campus on sixth day.

राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान, रायपुर
स्वच्छता पखवाड़ा
1-15 सितंबर 2016

As a part of the fortnight of cleanliness (**SwachhtaPakwada**) being celebrated by NIT Raipur, an event called **Chitrakala,** a painting competition was organizedand an essay

writing competition with the theme of**swachhta** on **7th** and **8th** day. On the following days, NIT students learnt to make eco-friendly paper bags and also took part in the plantation drive.

The students of **NIT Raipur** witnessed the plantation drive in the campus on the 10th Sep. 2016 (10th day of **SwacchtaPakhwada**).There was a cleanliness drive outside the campus (near

Kota and Sarswati Nagar railway Station) on the 11th day. The ***Best out of waste*** and ***slogan writing competitions*** are organized on the 12th and 13th day.On the **14**th Day of **SwacchtaPakhwada**, **We Care- The Green Movement, NITRR** in association with Alumni Association of GEC, NIT RAIPUR has organised a workshop on GRIHA (Green Ratingfor Integrated Habitat Assessment).

“ तुम मन से अब आह्वान करो।

स्वच्छता का अब ध्यान करो।

साफ-सफाई में है भलाई ।

इसी गीत का गान करो ॥ ”

Rating process
Registration
Documentation Submission
Audit report
Orientation workshop
Site visit 3
Site visit 1
External evaluation
Site visit 2
Provisional Rating

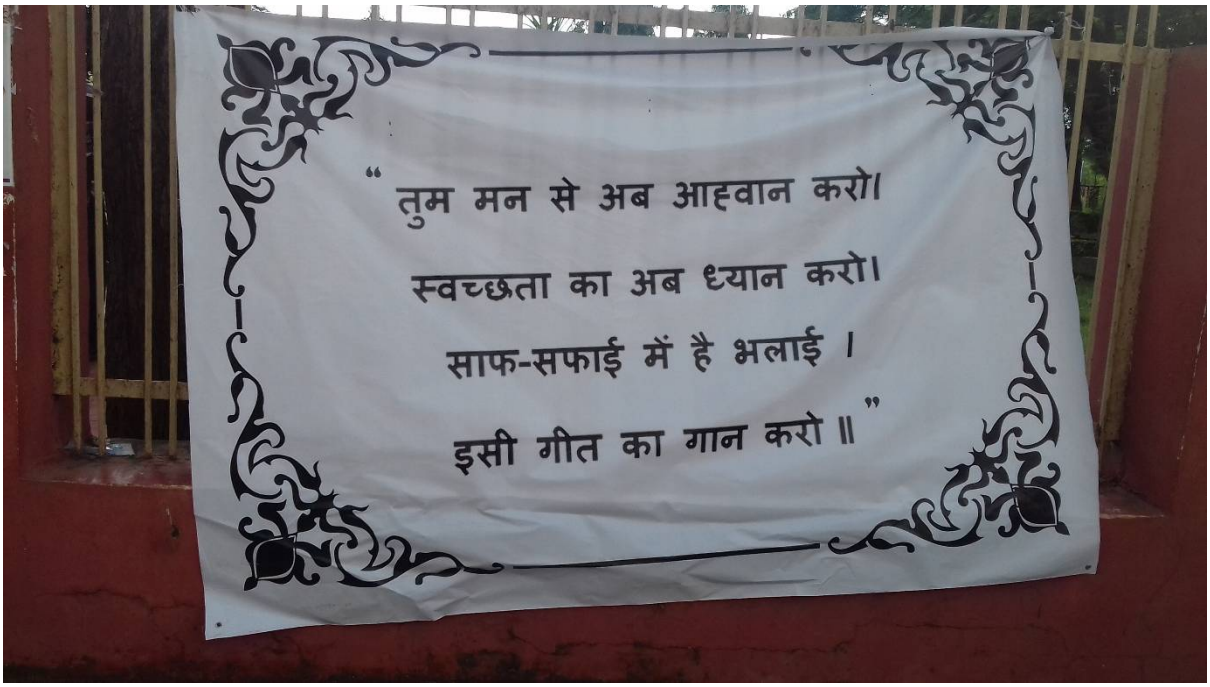

In the next event of the day 14, the students presented ideas about ***Solid Waste Management***. In this, theydiscussed about the collection, transport, treatment and disposal of solid wastes.

Finally on the day 15,**Nukkad Natak** emphasized on **swachhta**,various types of pollution prevailing in the environment, adverse effects of pollution, and various dieseses caused by them.

The entire event was a huge success and it portrayed the words **'Purity of mind and cleanliness of land go hand in hand towards the building of an ideal nation'** beautifully.

Glimpse of Media Coverage

स्वच्छता तभी आएगी जब होंगे जागरूक व्यक्तिगत स्तर पर सभी करेंगे प्रयास

रायपुर। निप्र

स्वच्छता पखवाड़ा कार्यक्रम के शुभारंभ अवसर पर एनआईटी स्टूडेंट्स ने दी राय

जगह-जगह स्वच्छ भारत के लिए विज्ञापन और नारेबाजी हो रही है। असली स्वच्छता तो तभी आएगी जब हम व्यक्तिगत स्तर पर ही इसकी शुरुआत करें। यह कहना है एनआईटी के स्टूडेंट्स का।

गुरुवार को 'स्वच्छता पखवाड़ा' कार्यक्रम का शुभारंभ एनआईटी के डायरेक्टर डॉ. सुदर्शन तिवारी ने किया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि देश में तेजी से स्वच्छता के प्रति लोग जागरूक हो रहे हैं। गंदगी को समाप्त करने के लिए आज युवाओं को आगे आना होगा। स्टूडेंट्स वेलफेयर डीन प्रो.एपी राजिमवाले ने 'पखवाड़ा कार्यक्रम' के बारे में विस्तृत जानकारी छात्रों को दी। इसके बाद स्वच्छता को लेकर आयोजित स्पीच कार्यक्रम में छात्राओं ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। छात्रों ने कहा कि कर्तव्यनिष्ठ नागरिक होने के नाते हमारी जवाबदेही है कि स्वच्छता अभियान को हम सामूहिक बल दें। हर तबका जाति, धर्म और लिंग के भेदभाव से ऊपर उठकर समाज के हर कोने में स्वच्छता और सफाई के बारे में अलख जगाए। भले ही स्वच्छता में हम वैश्विक स्तर पर पीछे हैं, लेकिन उम्मीद है कि अपने प्रयास और वैज्ञानिक पद्धतियों से उस चुनौती से पार पा लेंगे।

ईको फ्रेंडली गणपति का दिया संदेश

रायपुर. किसी ने मिट्टी के गणपति को गढ़कर उसे फूल-पत्तों से सजाया तो किसी ने हल्दी, चंदन, सिंदूर और आटे से कलर कर सुंदर आकृति को और सुंदरता दी। वहीं, कुछ ने गणेश को पत्तों के आसन पर बैठाया। यह नजारा था एनआईटी कैम्पस में 'गो ग्रीन' समिति द्वारा आयोजित 'ग्रीन गणेशा' कॉम्पीटिशन का। इसमें 28 स्कूली स्टूडेंट्स सहित कुल 180 स्टूडेंट्स ने पार्टिसिपेट किया। सभी ने गणेश चतुर्थी के लिए दो घंटे में गणेश की प्रतिमा तैयार की। स्टूडेंट्स द्वारा निर्मित इन मूर्तियों की प्रदर्शनी एनआईटी कैम्पस में गणेश चतुर्थी के मौके पर 5 सितम्बर को लगाई जाएगी। प्रदर्शनी के बाद इन मूर्तियों को एक बड़े से टब में विसर्जित कर पिघली मिट्टी को गमले में डाला जाएगा। स्टूडेंट्स ने प्राकृतिक चीजों से गणेश की मूर्ति तैयार कर ईको फ्रेंडली गणेशा के साथ पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि डीन स्टूडेंट वेलफेयर प्रोफेसर राजिमवाले, डॉ. समीर वाजपेयी और डॉ. गोवर्धन भट्ट थे।

छह साल के कुशल ने एक हाथ से बनाया मिट्टी का गणेश, हल्दी, सिंदूर और आटे से किया रंग

एनआईटी में रखा गया 'मिट्टी के गणेश बनाओ' कॉम्पिटीशन, स्कूल और कॉलेज स्टूडेंट्स ने दो घंटे में बनाई गणपति की 150 मूर्तियां, तीन महीने की उम्र में बीमारी में अपना एक हाथ गंवा चुके कुशल की तरह आप भी समझिए मिट्टी की मूर्ति का महत्व

सुमन पांडेय •

वे हैं कुशल चिंतल। उम्र 6 साल। पहली कक्षा में पढ़ रहे कुशल जब महज 3 महीने के थे तब गैंगरीन होने के कारण एक हाथ खराब हो गया। नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी (एनआईटी) में गुरुवार को आयोजित मिट्टी के गणेश बनाओ कॉम्पिटीशन में कुशल एक ही हाथ से मिट्टी को तेजी से रोल कर रहे थे। पानी लगाकर उसे शेप दे रहे थे। जब मूर्ति तैयार हो गई तो कुशल ने कुदरती रंगों से उसे पूरी शिद्दत से रंगा भी। पूरे समय वो सोसायटी को दो मैसेज देने में लगे थे। पहला- प्लास्टर ऑफ पेरिस की मूर्तियों के बदले मिट्टी के गणेश ही स्थापित करें। दूसरा- लाइफ में कुछ भी इंपॉसिबल नहीं। मूर्ति देखने आने वालों से कुशल यही कहते रहे- प्लीज मिट्टी के गणेश ही घर लाइएगा, भले ही छोटी सी मूर्ति हो। भगवान की मूर्ति छोटी हो या बड़ी, इससे क्या फर्क पड़ता है। आप अच्छे मन से छोटी मूर्ति भी रखेंगे, तो भगवान खुश होंगे। दैनिक भास्कर के अभियान 'मिट्टी के गणेश' की तरह एनआईटी स्टूडेंट्स ने भी ये अभियान छेड़ा है। उनके इस कार्यक्रम में कुशल मम्मी उमा और पिता ललित चिंतल के साथ हिस्सा लेने पहुंचा। कुशल ने सफेद रंग के बदले आटा, पीले रंग की जगह हल्दी और लाल की जगह सिंदूर यूज किया। इस दौरान एनआईटी स्टूडेंट्स ने पीओपी के नुकसान भी बताए।

फोटो - प्रवीण वेवांगन

स्कूल और कॉलेज के 150 स्टूडेंट्स ने बनाईं मूर्तियां

एनआईटी के कैंपस में कॉम्पीटिशन स्कूल और कॉलेज स्टूडेंट्स के लिए अलग-अलग कैटेगिरी में हुआ। निर्धारित दो घंटे में स्टूडेंट्स ने 150 मूर्तियां बनाईं। इस मौके पर संस्थान के प्रोफेसर एपी राजिमवाले, डॉ समीर वाजपेयी और डॉक्टर गोवर्धन भट्ट बतौर अतिथि मौजूद रहे।

राहुल और अजय ने जीता कॉम्पिटीशन

कॉलेज स्टूडेंट्स कैटेगिरी में एनआईटी के ही राहुल पाटवा विनर रहे। टूमन लाल सेकेंड और एम लिवेश थर्ड पोजिशन पर रहे। स्कूल स्टूडेंट्स में रविशंकर यूनिवर्सिटी के कैंपस में संचालित सरकारी स्कूल के अजय और उनकी टीम विनर रही।

सफाई के लिए सड़क पर उतरे एनआईटी स्टूडेंट

एनआईटी में चलाए जा रहे स्वच्छता पखवाड़े के अंतर्गत स्टूडेंट्स ने मंगलवार को सड़कों की सफाई की। लोगों को क्लिन सिटी का संदेश देने उन्होंने शहर के कई सार्वजनिक स्थानों की सफाई की साथ ही कई इवेंट भी आयोजित किए।

रायपुर। स्टूडेंट्स ने इंस्टीट्यूट कैंपस के अलावा सड़कों पर पड़े पॉलिथिन, फूड पैकेट, प्लास्टिक रैपर व अन्य कचरे की साफ-सफाई कर उसे कूड़ेदान में डाला। स्वच्छता आधारित स्लोगन राइटिंग कॉम्पीटिशन से क्लिन रायपुर का संदेश दिया। सार्थक पहल के लिए एनआईटी के स्टूडेंट्स ने प्रतिबद्धता दिखाते हुए शपथ ली कि वे अपने स्तर पर शहर को साफ रखने का हर संभव प्रयत्न करेंगे।

बायो कचरे से बनाएं खाद

छात्रों ने बताया कि किस प्रकार बॉयो वेस्टेज का इस्तेमाल खाद बनाने में किया जा सकता है। इसके लिए लोगों को ध्यान देने की आवश्यकता पर बल दिया। हनिकारक कचरों के व्यवस्थापन के दूसरे तरीके भी छात्रों ने सुझाए।

हर आंगन हो शौचालय

शहर, गांव को खुले में शौच मुक्त बनाने मुहिम चल रही है। एनआईटी के छात्र इसे आगे बढ़ाते हुए इसका संदेश शहर-गांव-गांव पहुंचाना चाहते हैं। तालाब, कुएं व सर्वाजनिक पेयजल स्थलों में स्वच्छता बनाए रखने का संदेश देते हुए इंजीनियरिंग छात्रों ने लोगों से अपील करते हुए कहा कि वे सार्वजनिक जगहों पर कूड़ा न फेंके, जिस तरह वे अपने घरों को साफ रखते हैं उसी तरह पब्लिक प्लेस को भी साफ रखने में मदद करें।

विचारों को कागज के बजाय जमीन पर लाना होगा

रायपुर। निप्र

राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान (एनआईटी) में पंद्रह दिवसीय स्वच्छता पखवाड़ा कार्यक्रम चल रहा है। इसी कड़ी में गुरुवार को स्वच्छ भारत अभियान को बढ़ावा देने के लिए 'पिक एंड थिंक' विषय पर निबंध प्रतियोगिता आयोजित की गई। इसमें प्रतिभागियों को कलम और कागज प्रदान किए तथा प्रतियोगिता का नियम कुछ ऐसा था कि छात्र हिंदी और अंग्रेजी में किसी एक भाषा का चयन कर सकते थे। उन्हें चिट्स दी गईं। उनमें से उन्हें एक चिट उठानी थी और उसमें लिखे वाक्यों से अपने निबंध की शुरुआत करनी थी। प्रतिभागियों ने स्वच्छ भारत अभियान को पूरा करने के लिए बेहतरीन विचार प्रस्तुत किए। परन्तु ये हमें जरूर याद रखना चाहिए कि

स्वच्छ भारत पर एनआईटी में निबंध लेखन

विचारों को केवल कागज के पन्ने पर उतारने से हम जो चाहते हैं, वह पूरा नहीं हो पाएगा। इसके लिए हमें चाहिए कि दुनिया को बदलने की जगह खुद को बदलने की कोशिश करें, तभी हमारा भारत स्वच्छ हो पाएगा

नारी और प्रकृति दोनों अनमोल

रायपुर ● राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान (एनआईटी) में चल रहे स्वच्छता पखवाड़ा के सातवें दिन बुधवार को चित्रकला प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता की थीम (स्वच्छता) थी। इसमे छात्रों ने प्रतियोगिता में बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। चित्रकला प्रतियोगिता का आयोजन संस्कृति समिति के द्वारा किया गया। प्रतियोगिता मे स्टूडेंट्स को कलर पेपर्स और ब्रश प्रतियोगिता स्थल पर ही दिए गए। प्रतियोगिता मे शामिल स्टूडेंट्स ने प्रकृति को संरक्षित और सुरक्षित कैसे रखें उसे उकेरा। साथ ही चित्र के माध्यम से यह भी बताया कि जिस तरह संसार को चलाने के लिए नारी की भूमिका अहम है, उसी तरह पर्यावरण को सुरक्षित रखना अहम है।

patrika epaper editions
Thu, 08 September 2016
epaper.patrika.com/c/13066170

एनआईटी में स्वच्छता पखवाड़ा

नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी के स्टूडेंट्स ने हाल ही में स्वच्छता पखवाड़े के दौरान ग्रीन गणेशा और भाषण प्रतियोगिता से लोगों को पर्यावरण संरक्षण एवं स्वच्छता के विषय में लोगों को जागरूक करने की पहल की थी। एनआईटी के छात्रों ने इसी दिशा में एक और कदम बढ़ाते हुए कैंपस क्लीनिंग कर लोगों को जागरूक करने का एक और प्रयास किया है। एनआईटी के छात्रों ने अपने कैंपस की सफाई करते हुए लोगों को यह संदेश दिया कि उन्हें भी अपने शहर, अपने राज्य, अपने देश की स्वच्छता का ध्यान रखना चाहिए, क्योंकि सिर्फ अपने घर की सफाई की जिम्मेदारी बस आपकी जिम्मेदारी नहीं है, बल्कि आपकी पर्यावरण की स्वच्छता भी आपकी जिम्मेदारी है। एनआईटी के छात्रों का कहना था कि हमें फूड पैकेट्स, पॉलिथीन इत्यादि चीजों को उपयोग होने के बाद सड़कों या रास्तों पर नहीं फेंकना चाहिए। हमें प्रयास करना चाहिए की कूड़े को कूड़ेदान में ही डाल एनआईटी के डीन स्टूडेंट वेलफेयर प्रो. राजिमवाले ने भी छात्रों के इन प्रयासों को सराहा। छात्रों ने अपने कैंपस के पार्क, सड़कों एवं मेन गेट के आस-पास की सफाई की एवं कूड़े को कूड़ेदान में डाला। छात्रों का कहना था की बॉयो डिग्रेडबल वेस्टेज का उपयोग खाद बनाने में कर सकते हैं।

patrika epaper editions Wed, 07 September 2016
epaper.patrika.com/c/130

एनआईटी स्टूडेंट्स बता रहे शहर को स्वच्छ रखने के तरीके

रायपुर. एनआईटी रायपुर में आयोजित स्वच्छता पखवाड़े की मुहीम को आगे बढ़ाने के लिए अनेकों कार्यक्रम और प्रतियोगिता का आयोजन किया जा रहा है। इनका आयोजन एनआईटी की लिटरी समिति की ओर से किया जा रहा है। स्वच्छ भारत अभियान को बढ़ावा देने के लिए इसी विषय पर पिंक एंड थिंक निबंध प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिया का नियम कुछ ऐसा था कि छात्र हिंदी और इंग्लिश में किसी एक भाषा का चयन कर सकते थे। और उनको चिट दी गई थी। जिसमें से उन्हें एक चिट उठानी थी और उसमें जो लिखा था उसी विषय पर निबंध की शुरुआत करनी थी। छात्रों ने निबंध प्रतियोगिता में अपने सुंदर लेख का प्रदर्शन किया। स्वच्छ भारत अभियान को पूरा करने क लिए अपने बेहतरीन विचार प्रस्तुत किए।

patrika epaper editions Fri, 09 September 2016
epaper.patrika.com/c/13091842

नुक्कड़ नाटक से स्वच्छता का संदेश

इंजीनियर्स–डे के साथ–साथ कैंपस में स्वच्छता पखवाड़ा के समापन पर स्टूडेंट्स ने नुक्कड़ नाटक कर स्वच्छता का मैसेज दिया। नाटक के माध्यम से हमारे आस–पास के वातावरण को प्रदूषणमुक्त रखने,पेड़ लगाने, पॉलिथिन व पर्यावरण के लिए हानिकारक वस्तुओं का इस्तेमाल न करने की अपील किया।

नाटक के जरिए शहर को साफ रखने की गुजारिश

■ राजधानी रिपोर्टर | रायपुर.

नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी (एनआईटी) में 15 दिवसीय स्वच्छता पखवाड़ा का गुरुवार को समापन हुआ. आखिरी दिन स्वच्छता थीम पर कई नुक्कड़ नाटक प्रस्तुत किए गए. जिसके जरिए स्टूडेंट्स ने शहर को साफ रखने की गुजारिश की. नाटक की जज प्रोफेसर साधना अग्रवाल थीं. इसके साथ ही कार्यक्रम में म्यूजिकल चेयर और इंजीनियर डांस कॉम्पिटीशन का आयोजन किया गया. जिसमें स्टूडेंट्स ने बढ़-चढ़ कर पार्टिसिपेट किया. इस मौके पर डीन एपी राजिमवाले समेत अन्य लोग मौजूद रहे.

9680014190 मिनी मी नेक्स्ट लिखकर अपने सुझाव भेजें

एनआईटी में इंजीनियर्स डे सेलिब्रेशन

रायपुर. एनआईटी रायपुर में गुरुवार को इंजीनियरों ने बड़े उत्साह के साथ इंजीनियर्स डे सेलिब्रेट किया। इंजीनियर्स डे के अलावा स्वच्छता पखवाड़ा के तहत नुक्कड़ नाटक का भी आयोजन किया गया। इसमें स्वच्छता थीम पर कई नाटक प्रस्तुत किए गए। इसके निर्णायक मंडल में प्रोफेसर साधना अग्रवाल उपस्थित थीं।

...